



अटल भुजल योजना हरियाणा

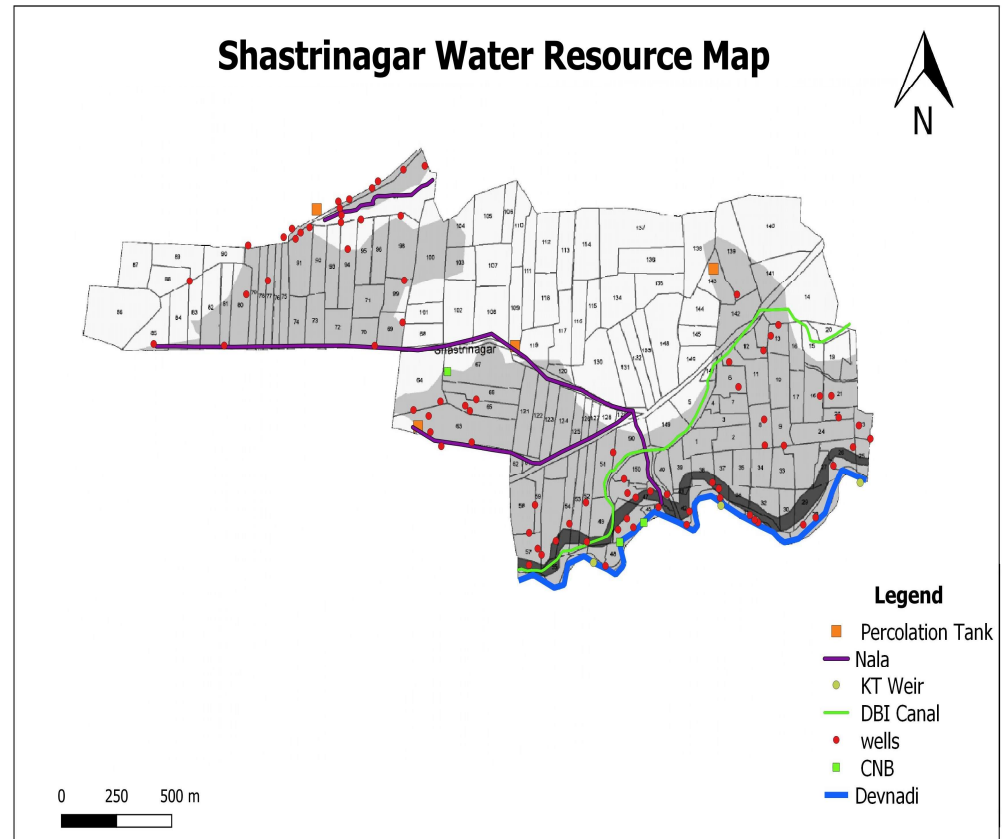
ग्राम पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्राम स्तर पर जल सुरक्षा योजना का क्रियान्वयन



PRA तकनीकों के माध्यम से जल संसाधनों और इसकी स्थिति का मानचित्रण

- ✓ उपस्थित लोगोंके ग्रुप तैयार किये जाएंगे
- ✓ ग्रुप को चार्ट पेपर दिए जयएंगे
- ✓ चार्ट पेपर पर गांव के जल संसाधन (जैसे की जोहड़, तालाब, चैक डैम, नहर, खेत तालाब) कहा हे वो दिखने वाला नक्शा बनानेको कहा जाएगा
- ✓ जिसमें संसाधनों की सध्या स्थिति क्या है यह भी दर्ज किया जायेगा



डेटा संग्रह के लिए उपकरण

वर्षा को मापने के लिए
प्रत्येक गांव में रेन गेज
स्टेशनों की स्थापना



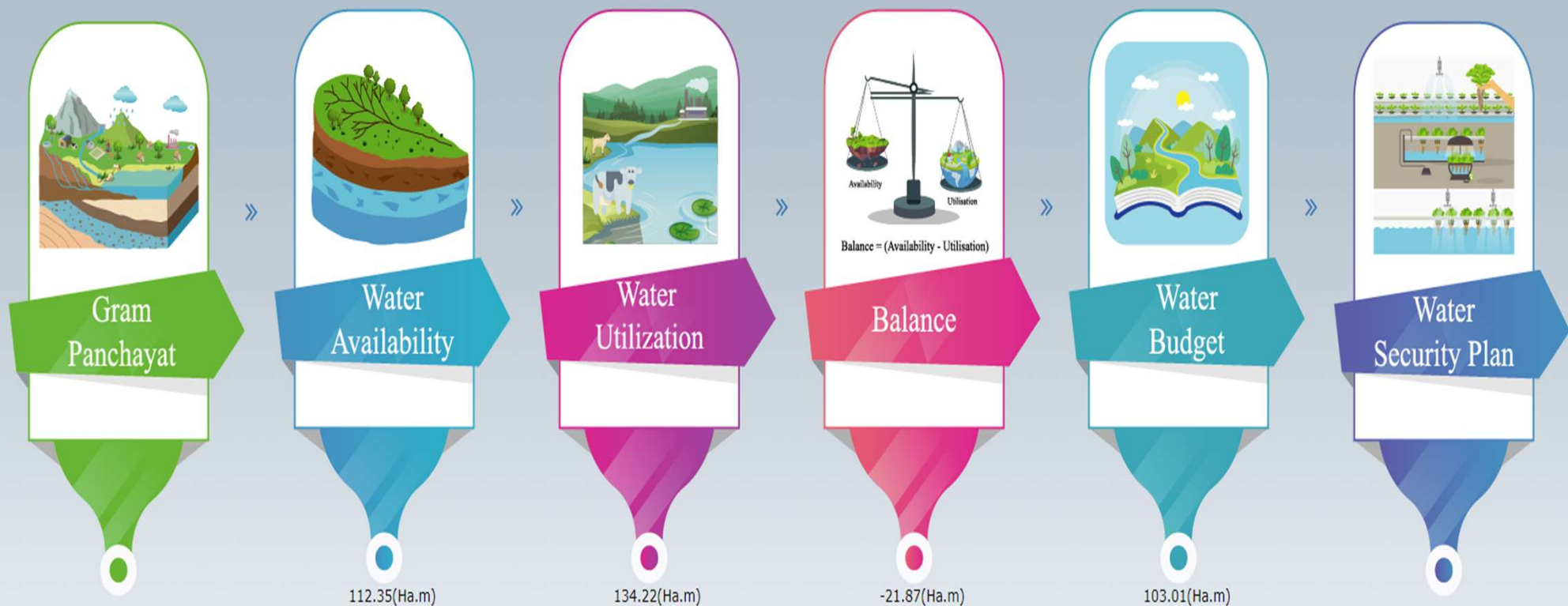
प्रत्येक गांव के पानी का pH, EC, TH,
Ca, Mg, Na, K, CO₃, HCO₃, SO₄,
Cl, F, NO₃ का परीक्षण किया जाता है
जिससे गांव के पानी की गुणवत्ता के
बारे में पता चल जाता है



गांव के कुएं और बोरवेल का
जलस्तर लिया जाता है, जिससे
पता चलता है कि हमारे गांव
में भूजल का स्तर क्या है

पीजोमीटर का उपयोग भूमिगत
जल के दबाव को मापने के लिए
किया जाता और जल का pH और
EC कितना है यह समझता है

सामुदायिक नेतृत्व वाली जल सुरक्षा योजना के बारे में



जल सुरक्षा योजना तैयार करने के लिए आवश्यक जानकारी



कुल जनसंख्या



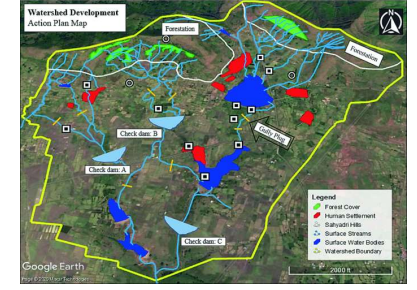
जानवरों की संख्या



क्षेत्रफल और उसका वितरण



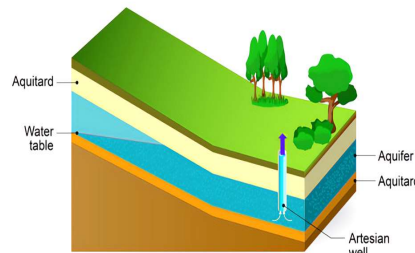
गाँव में उगाई जाने वाली फसलें और पानी देने के तरीके



जल संसाधन और उनकी क्षमता



गाँव में वर्षा की मात्रा



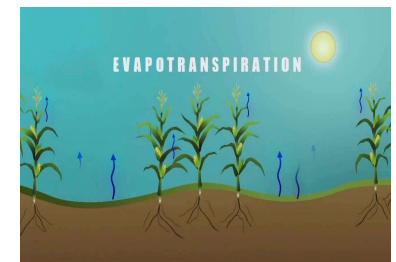
गाँव में भूजल की मात्रा और कुएं और बोरवेल की संख्या



मिट्टी में पानी की नमी मात्रा

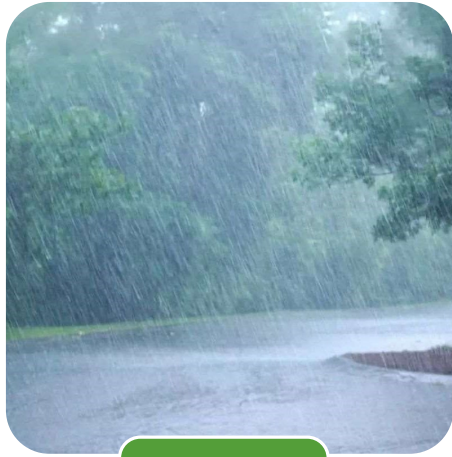


वाष्पीकरण की मात्रा



वाष्पन-उत्सर्जन मात्रा

गांव में पानी की उपलब्धता



बारिश के माध्यम से मिलने वाला पानी



गांव में उपलब्ध जल स्रोतों से प्राप्त जल



भूजल के माध्यम से प्राप्त जल

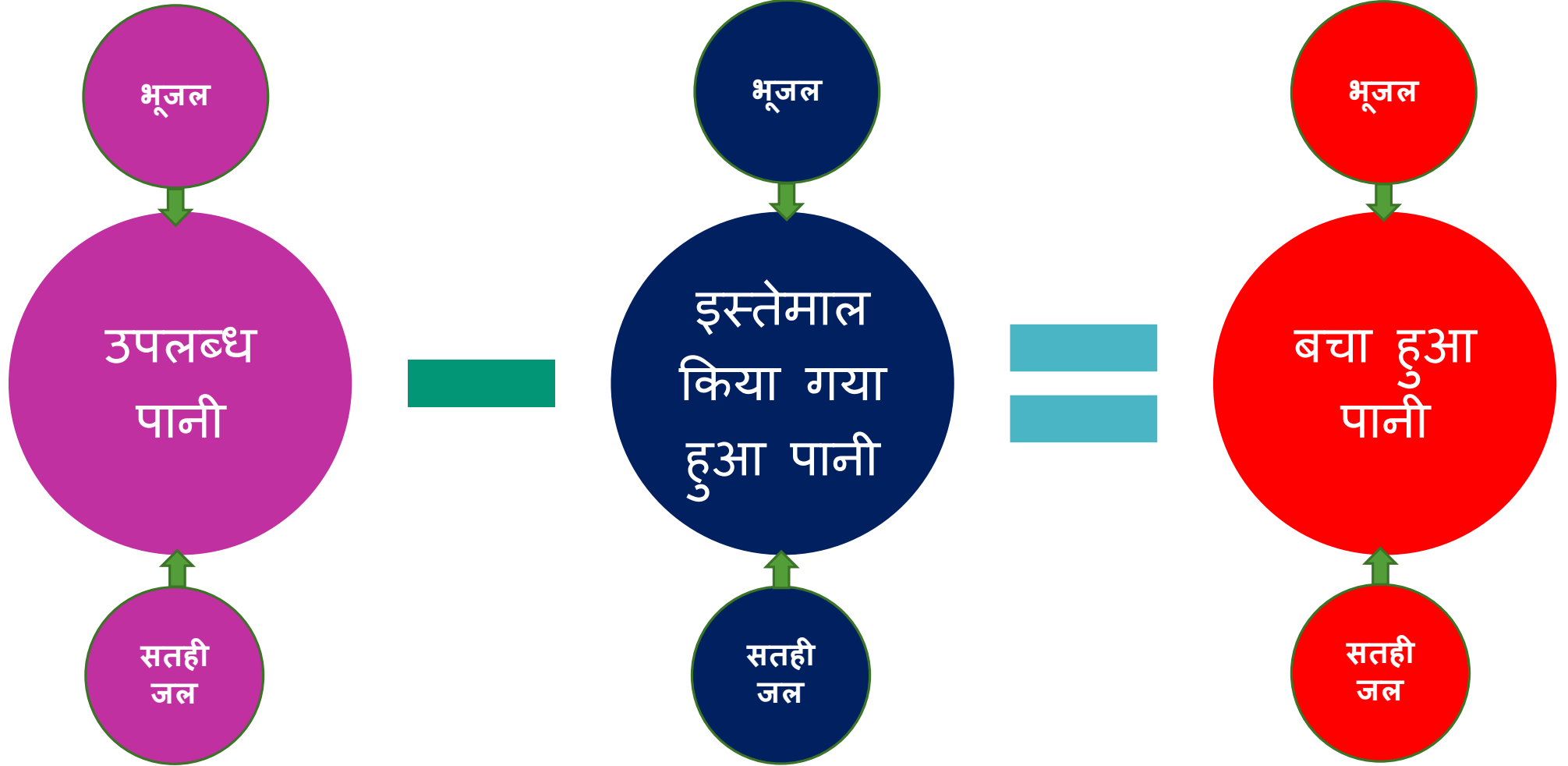


मिट्टी की नमी

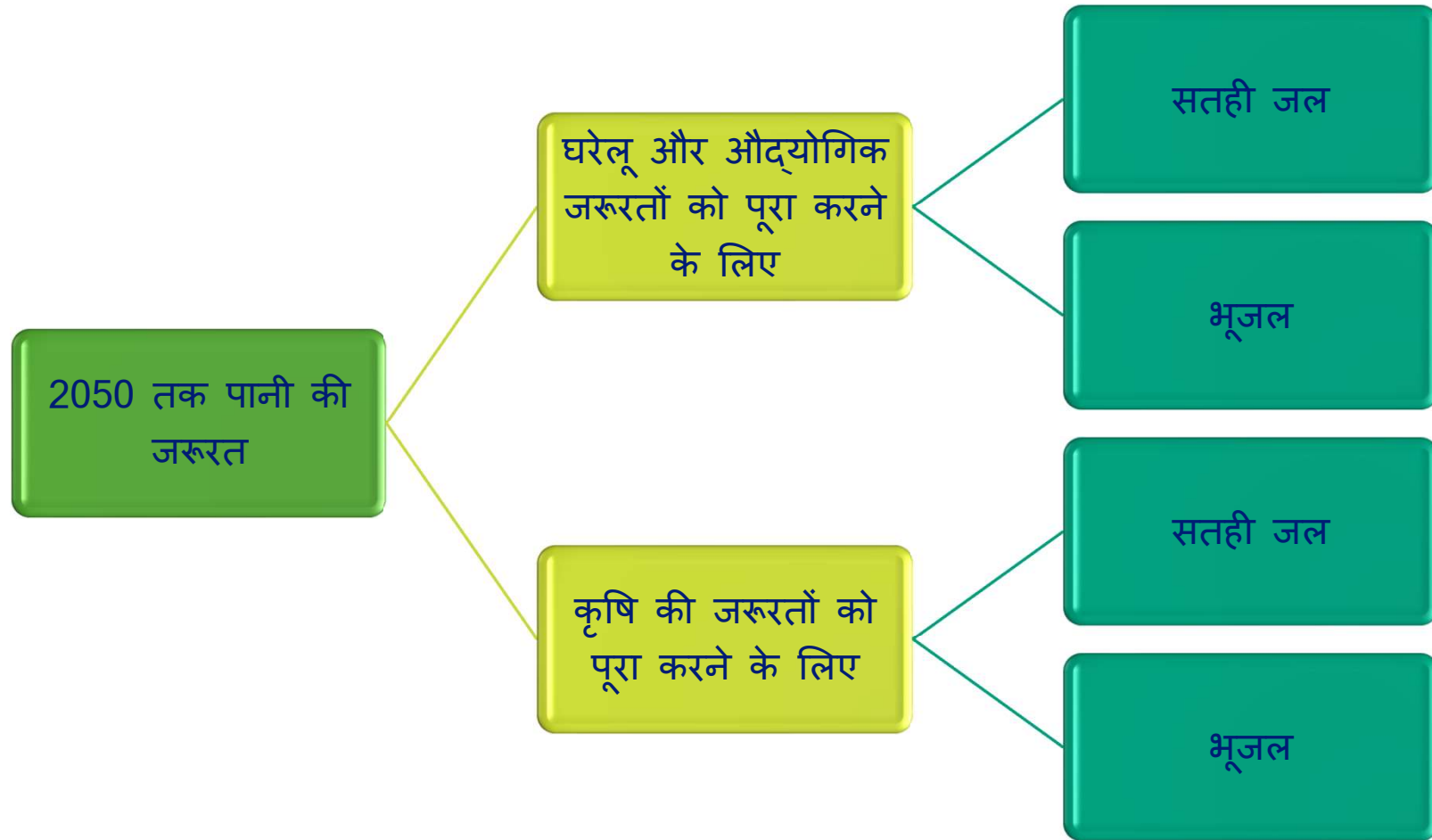
गांव के पानी का उपयोग



शेष पानी



पानी का बजट



पानी की मांग को कम करने के लिए किए जाने वाले उपाय



स्प्रिंकलर



ड्रिप सिंचाई



अंडरग्राउंड
पाइपलाइन



Zero
tillage की
पद्धति

सिंचाई प्रणाली के माध्यम से जल संरक्षण - अनुलग्नक 1 (लघु फिल्म)

सुक्ष्म सिंचाई प्रणाली - अनुलग्नक 2 (लघु फिल्म)

पानी की कमी को पूरा करने के लिए किए जाने वाले उपाय



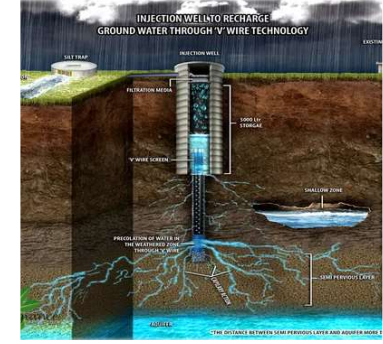
चेक डैम



जोहड़ / तालाब की सफाई



रेनवाटर हार्वेस्टिंग



इंजेक्शन वेल



रिचार्ज शाफ्ट



सोखता गड्ढा



खेत तालाब



सामुदायिक तालाब

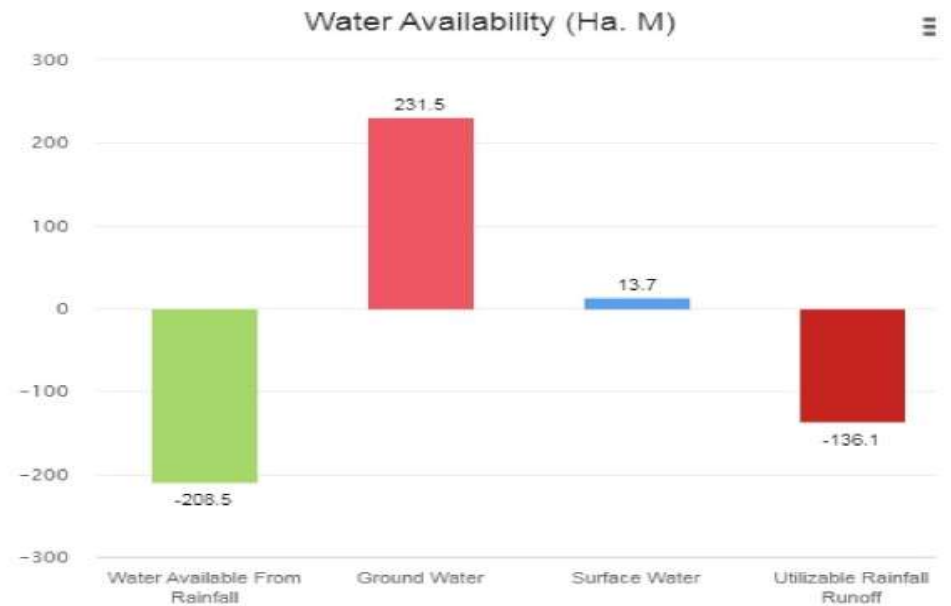
गांव की जल सुरक्षा योजना.

Gram Panchayat Information

State:	Haryana	District:	Bhiwani
Block / Taluk :	Behal	GP Name :	Ameenpur
GP ID :	297933	Block Area (Ha) :	29577.64
GP area (Ha) :	2203.80	Watershed Code :	CHNG003
Watershed name :	Chautang	Watershed area in Block / Taluk (Ha) :	29577.64
Sub-basin Code :	1	Sub basin name :	Chautang and Others
Basin Code :	11	Basin Name :	Ghaghar
Livestock Population:	2108	Human Population:	4526

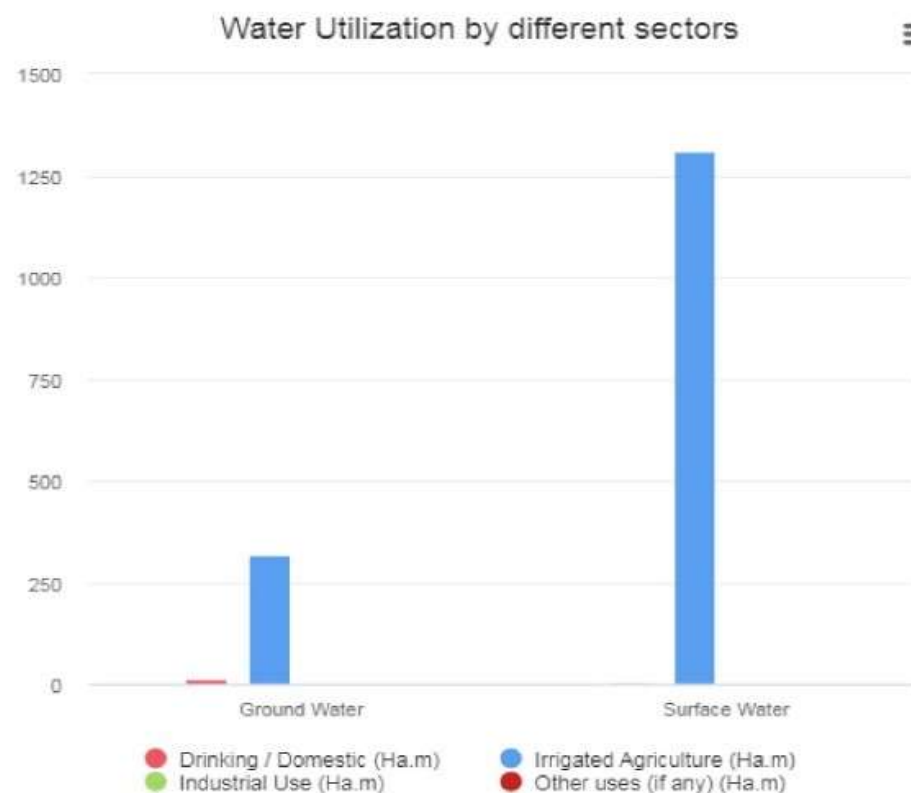
Water Availability Report

A	Total Available Water From Rainfall	
i)	Annual Rainfall (mm)	221.70
ii)	Volume of Rainfall (Ha.m)	488.58
iii)	Evapotranspiration (mm)	316.30
iv)	Evapotranspiration losses (Ha.m)	697.06
	Water Available From Rainfall	-208.48
B	GROUND WATER	
i)	Recharge From Rainfall (Ha.m)	
	Monsoon	121.20
	Non-Monsoon	5.67
	Total	126.87
ii)	Recharge From Other Sources (Ha.m)	
	Monsoon	65.57
	Non-Monsoon	64.75
	Total	130.32
iii)	Losses Due to Natural Discharge (Ha.m)	25.72
iv)	Total Ground Water Available (Ha.m)	231.47
C	SURFACE WATER STORAGE	
i)	No. of Surface Water Bodies	14.00
ii)	Storage Capacity of the structures (Ha. m)	27.34
iii)	Surface Water Available (Ha.m)in Storages	13.67
iv)	Losses if Any (%) :	50.00
v)	Total Water Available for Utilization(Ha.m):	245.14
vi)	Rainfall Available for Future Use(Ha.m)	-453.62
	Weighted Average Runoff Coefficient	0.30
	Utilizable Rainfall Runoff (Ha.M)	-136.09



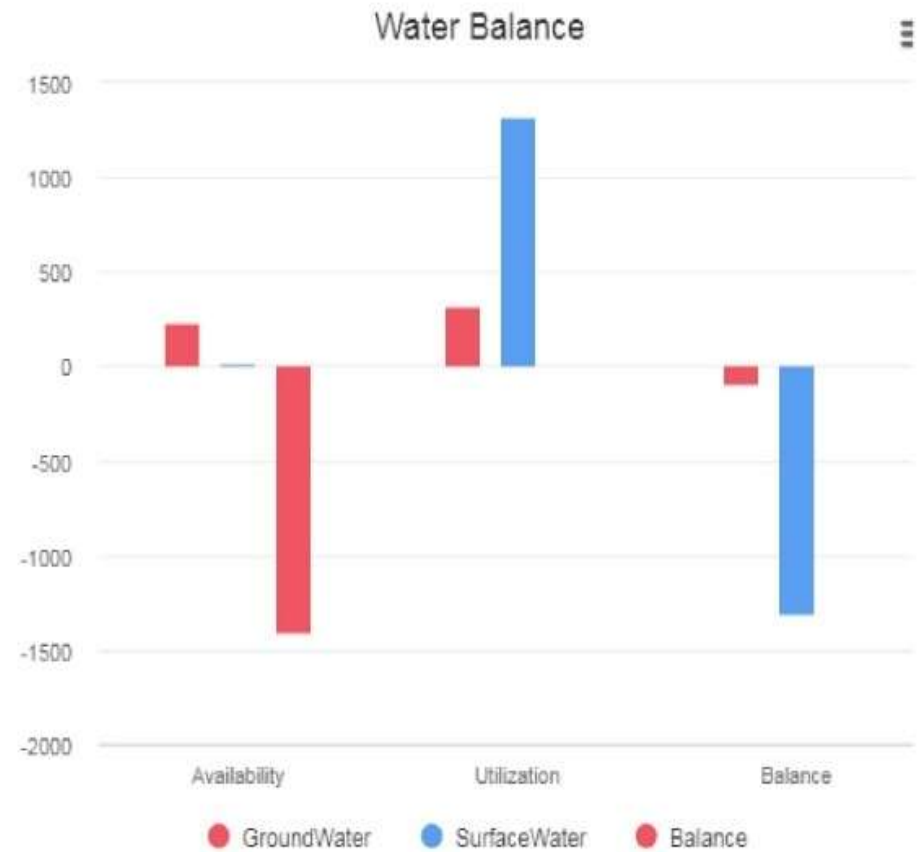
Water Utilization Report

Water Utilization		
A	Drinking / Domestic (Ha.m)	
i)	Form Surface Water	5.56
ii)	Form Ground Water	12.97
iii)	Total	18.53
B	Irrigated Agriculture (Ha.m)	
i)	Form Surface Water	1308.11
ii)	Form Ground Water	315.14
iii)	Total	1623.25
C	Industrial Use (Ha.m)	
i)	Form Surface Water	0.00
ii)	Form Ground Water	0.00
iii)	Total	0.00
D	Other Uses (if any) (Ha.m)	
i)	Form Surface Water	0.00
ii)	Form Ground Water	0.00
iii)	Total	0.00



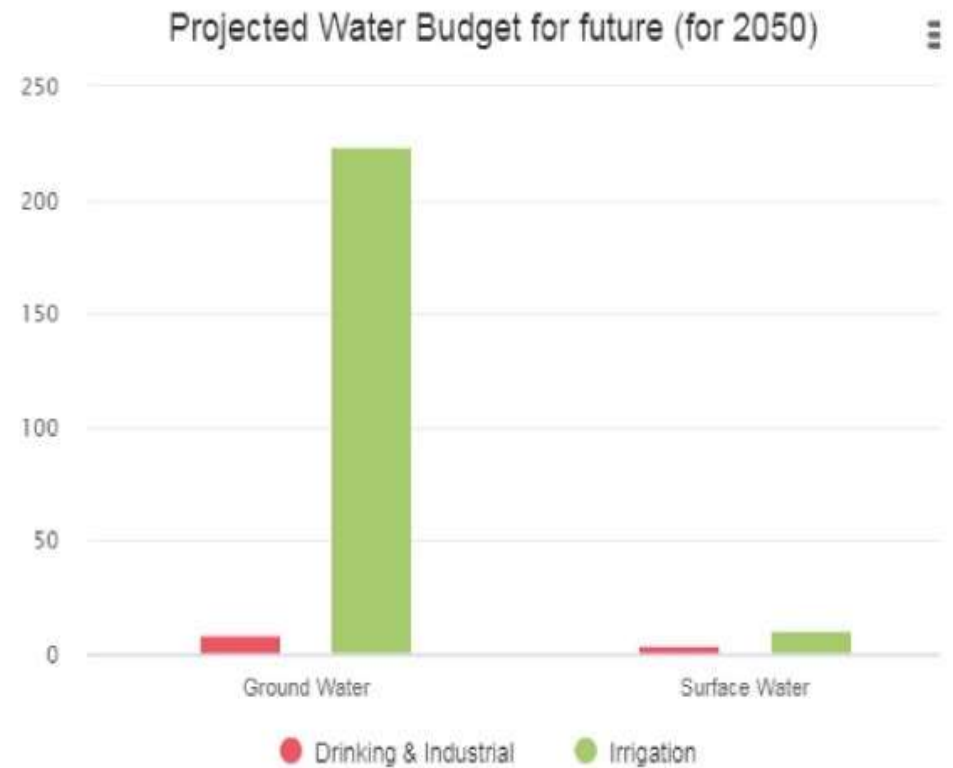
Water Balance Report

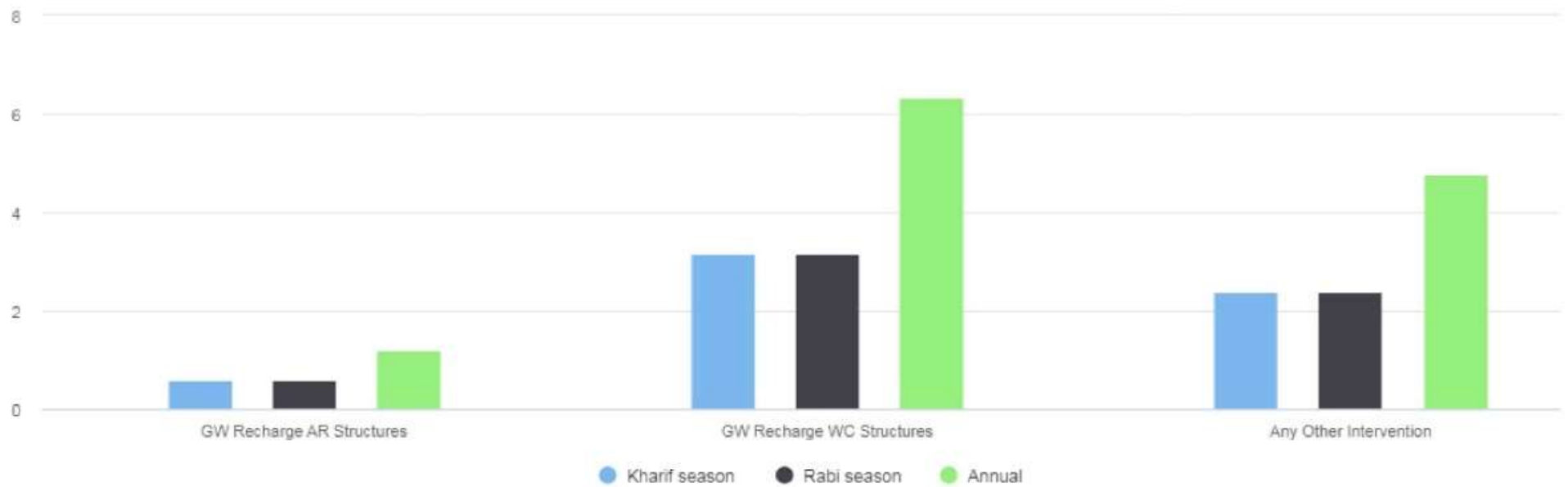
Water Balance		
A	Availability (Ha.m)	
i)	Surface Water	13.67
ii)	Ground Water	231.47
iii)	Total	245.14
B	Utilization (Ha.m)	
i)	Surface Water	1321.08
ii)	Ground Water	328.11
iii)	Total Utilization	1649.19
C	Balance [Surplus (+) / Deficit (-)]	
i)	Surface Water	-1307.41
ii)	Ground Water	-96.64
iii)	Total	-1404.05



Water Budget Report

Water Budget		
A	Allocation for Domestic & Industrial Requirements	
i)	From surface water (ha.m)	3.60
ii)	From ground water	8.40
iii)	Total	11.99
B	Water Available for Irrigated Agriculture (Ha.m)	
i)	Surface Water	10.07
ii)	Ground Water	223.07
iii)	Total	233.15





Supply Side

	Kharif Season(ha.m)	Rabi Season(ha.m)	Annual (ha.m)	Possible Funding Source	Approx Cost
Artificial Recharge Structures	0.60	0.60	1.20	ground water cell	7.30
Water Conservation Structures	3.16	3.16	6.32	micada	46.75
Any Other Intervention	2.39	2.39	4.78	agriculture and farmer welfare department	54.21 Lakhs
Total					108.26 Lakhs

इस वर्ष जल सुरक्षा योजना के अनुसार किए जाने वाले कार्य और सरकारी विभाग

पानी की मांग को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

कार्य का नाम	प्रस्तावित क्षेत्र (हेक्टर)	पूरा हुआ क्षेत्र (हेक्टर)	सरकारी विभाग का नाम
टपका सिंचाई	5	4.32	MICADA
फव्वारा सिंचाई	85	88.74	MICADA

पानी के कमी को पूरा करने के लिए किए जाने वाले कार्य

कार्य का नाम	संख्या	सरकारी विभाग का नाम
रिचार्ज शाफ्ट/पिट	0	जिला परिषद और पंचायत राज
जोहड़ की मरम्मत	2	MGNREGA
खेत तालाब	8	MICADA
इंजेक्शन वेल	2	Irrigation Department
तालाब को नहर से जोड़ना	0	Irrigation Department
छत वर्षा जल संचयन (RTRWH)	9	IWMP/Education (PMKSY)

उपरोक्त गतिविधियों के अलावा मांग और आपूर्ति पक्ष में और क्या गतिविधियां करने की आवश्यकता है, इस पर समूह चर्चा

- उपस्थित लोगों के चार से पांच समूह बनेंगे
- मांग और आपूर्ति दोनों पक्षों पर और क्या काम करने जरूरत है इसकी चार्ट पेपर पर लिस्ट तैयार की जायेगी उदाहरण के तौर पर
 - मांग पक्ष हस्तक्षेप

किसान का नाम	बागवानी फसल लेने का क्षेत्र (हे)	टपका सिंचाई का क्षेत्र (हे)	फव्वारा सिंचाई का क्षेत्र (हे)
सुरेंदर	१	२	४

- आपूर्ति पक्ष का हस्तक्षेप

जल संसाधन का नाम	स्थान	काम के प्रकार
गाव कि जोहड़	मंदिर के पास	जोहड़ की सफाई और मरम्मत

सरकार द्वारा लिखित विभागों के माध्यम से संचालित योजनाएँ एवं अनुदान

योजना	क्षेत्र	सेक्टर	संचालित विभाग	विभागीय अनुदान % / ₹0 में)	योजना के तहत प्रोत्साहन % / ₹0 में)
मेरा पानी मेरी विरासत MPMV	फसल विविधिकरण, DSR	राज्य सरकार	कृषि	7000 4000	-
मिकाडा MICADA	टपका, फव्वारा विधि से सिंचाई, फार्म पौण्ड	राज्य सरकार		85	15
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना PMKSY	बागवानी व कृषि बीज	राज्य सरकार	उद्यान	15000	-
सिंचाई एवं जल संशाधन विभाग	बोर वेल (इन्जेक्शन वेल)	राज्य सरकार	सिंचाई एवं जल संशाधन विभाग	100	-
मनरेगा MGNREGA	तालाब, चालखाल, चैकडैम, रिचार्ज पिट/ सोखता गडढा	केन्द्र सरकार/राज्य सरकार	ग्राम्य विकास विभाग	60/40	-

WSP कार्यान्वयन से संबंधित सरकारी योजना



हरियाणा सरकार
आजादी का
अमृत महोत्सव
हर घर जल
जल जीवन मिशन

फसल विविधीकरण योजना



मेरा पानी-मेरी विरासत

- सरकार द्वारा धान की फसल की जगह वैकल्पिक फसलों जैसे मक्का/कपास/खरीफ तिलहन/खरीफ दलहन/सब्जियां व फल लगाने के लिए 'मेरा पानी मेरी विरासत' का वर्ष 2022 के लिए भी शुभारंभ किया गया है।
- इस योजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिले शामिल किए गए हैं।
- किसान अपने पिछले वर्ष बोए गए धान के क्षेत्र को वैकल्पिक फसलों जैसे मक्का/कपास/खरीफ तिलहन/ खरीफ दलहन/ सब्जियां व फल में बदल सकता है। जो किसान धान की जगह चारा या अपने खेत खाली भी रखते हैं, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा।
- जिन किसानों ने पिछले वर्ष 'मेरा पानी मेरी विरासत' योजना के तहत धान की जगह वैकल्पिक फसलें लगाई थी, वे इस वर्ष भी उसी किल्ला नंबर पर पंजीकरण करके इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।
- फसल विविधीकरण करने वाले किसानों को 7000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से वित्तीय सहायता दी जायेगी।
- किसान 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' वेब पोर्टल पर अपने आपको स्वयं, सी.एस.सी. व कृषि विभाग के माध्यम से पंजीकृत करवा सकते हैं।

हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण



जल-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा  सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा 

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा  www.prharyana.gov.in |      @DiprHaryana



हरियाणा सरकार
आजादी का
अमृत महोत्सव
हर घर जल
जल जीवन मिशन

सूक्ष्म सिंचाई योजना

पानी बचाने के लिए उपयुक्त ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीकों का उपयोग करके कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता बढ़ाना

सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के चार मुख्य घटक

1 जलमार्गों का पुनर्वास, नवीनीकरण और निर्माण (99% तक सब्सिडी)



2 व्यक्तिगत/सामुदायिक खेतों में तालाब और टैकों का निर्माण (85% तक सब्सिडी)



3 सौर ऊर्जा संचालित जल पम्पिंग प्रणाली की स्थापना (75% सब्सिडी)



4 किसानों की सभी श्रेणियों हेतु ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी ऑन-फार्म सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना (85% सब्सिडी)



योजना का लाभ उठाने हेतु www.cadaharyana.nic.in पर लॉग इन करके तथा 'एमआई के लिए किसान ऑनलाइन आवेदन' पर क्लिक करें

हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण 

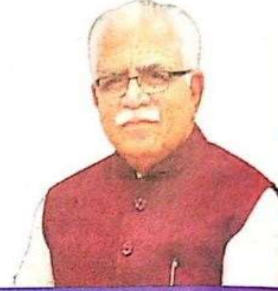
जल-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा  सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा 

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा  www.prharyana.gov.in |      @DiprHaryana



75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव

धान की बजाय फलों के बाग लगाने पर विशेष अनुदान



- आवेदन हेतु <https://hortnet.gov.in/> पोर्टल पर जाएं
- अधिकतम 10 एकड़ क्षेत्र तक अनुदान
- अनुदान पहले आओ - पहले पाओ के आधार पर
- मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण अनिवार्य
- सूक्ष्म सिंचाई/ड्रिप सिंचाई प्रणाली के लाभ हेतु <http://micada.haryana.gov.in> पर आवेदन करें



अधिक जानकारी के लिए

क्यू आर कोड
स्कैन करें



अथवा

जिला उद्यान अधिकारी
से सम्पर्क करें

अथवा

कॉल करें
(टोल फ्री नंबर)

1800 180 2021



उद्यान विभाग, हरियाणा

उद्यान विभाग, सेक्टर-21, पंचकुला -134112, फोन: 0172-2582322
वेबसाइट:-www.hortharyana.gov.in ई-मेल:-horticulture@hry.nic.in



सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

हरियाणा में सुशहाल बागवानी

किसानों के लिए अनुदान का प्रावधान

श्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

नर्सरी की स्थापना 40 से 50 प्रतिशत (7.50 लाख रुपये से 40 लाख रुपये तक)	नए बागों की स्थापना 50 प्रतिशत (50 हजार रुपये प्रति एकड़ तक)	सखियों की खेती 40 प्रतिशत (8000 रुपये प्रति एकड़ तक)
मरारूम उत्पादन इकाई, कम्पोस्ट मैकिंग इकाई व स्पॉन मेकिंग इकाई 40 से 50 प्रतिशत (6 लाख रुपये से 8 लाख रुपये तक)	सामुदायिक तालाब 100 प्रतिशत (20 लाख रुपये तक) व्यक्तिगत तालाब 70 प्रतिशत (7 लाख रुपये तक)	संरक्षित संरचना 65 प्रतिशत (11.70 लाख रुपये से 32.78 लाख रुपये तक)
गधूमक्ली के बक्से व कालोनी 85 प्रतिशत (1.87 लाख रुपये प्रति 50 बक्से एवं 50 कालोनी)	पैक हाउस/कोल्ड स्टोरेज/बोर्डिंग इत्यादि एकल: 35 से 50 प्रतिशत (2 लाख रुपये तक) एफ.पी.ओ.: 70 से 90 प्रतिशत (35 लाख रुपये से 5.40 करोड़ रुपये तक)	बागवानी उपकरण 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत (300 रुपये से लेकर 1.50 लाख रुपये तक)

किसानों से निकटतम दि धी ने अभियान शुरू किया है। किसानों के लिए अनुदान का प्रावधान

www.hortharyana.gov.in / www.hortnet.gov.in / www.hortharyanaschemes.in

उद्यान विभाग, सेक्टर-21, पंचकुला, हरियाणा-134112

ई-मेल :- horticulture@hry.nic.in, mdmkharyana@gmail.com, वेबसाइट :- www.hortharyana.gov.in

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

विशेष रूप से राज्य में धान के स्थान पर फलों के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए

श्रेणी	बाग का प्रकार	लागत इकाई प्रति एकड़ (रुपयें)	अनुदान प्रति एकड़ (रुपयें)
क	सामान्य दूरी वाले बागों के लिए (6 मी0 X 7 मी0 एवं अधिक) बेर, चीकू, लीची, आंवला, आड़ू एवं नाशपाती आदि फलों के लिए। प्रति एकड़ लगभग 95 पौधे।	65,000/-	कुल अनुदान 32,500/- (लागत का 50%) • प्रथम वर्ष-19,500/- • द्वितीय वर्ष-6500/- • तृतीय वर्ष-6500/-
ख	सघन बागों के लिए (6 मी0 X 6 मी0 एवं इससे कम) आम, अमरुद, नींबू वर्गीय, अनार, आड़ू, अलूचा, नाशपाती, अंगूर, पपीता एवं ड्रैगन फ्रूट आदि फलों के लिए। प्रति एकड़ लगभग 111 एवं इससे अधिक पौधे।	1,00,000/-	कुल अनुदान 50,000/- (लागत का 50%) • प्रथम वर्ष-30,000/- • द्वितीय वर्ष-10,000/- • तृतीय वर्ष-10,000/-
ग	टिशु कल्चर खजूर (8 मी0 X 8 मी0 व इससे अधिक) प्रति एकड़ लगभग 63 पौधे।	2,00,000/-	कुल अनुदान 1,40,000/- (लागत का 50%) • प्रथम वर्ष-84,000/- • द्वितीय वर्ष-28,000/- • तृतीय वर्ष-28,000/-
घ	Trellising System/पौधा जाल प्रणाली (मुख्यतः अनार, ड्रैगन फ्रूट, अमरुद, अंगूर इत्यादि बागों के लिए)	1,40,000/-	कुल अनुदान 70,000/- (लागत का 50%) एक मुश्त अनुदान



- एक किसान अधिकतम 10 एकड़ क्षेत्र में अनुदान प्राप्त कर सकता है।
- आवेदन हेतु hortnet.gov.in पोर्टल पर जाएं।
- अनुदान पहले आओ पहले पाओ के आधार पर।
- मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण अनिवार्य।
- सुक्ष्म सिंचाई / ड्रिप सिंचाई प्रणाली का लाभ लेने के लिए <http://micada.haryana.gov.in> पर आवेदन करें।
- अधिक जानकारी के लिए संबंधित जिला उद्यान अधिकारी से सम्पर्क करें।

टोल फ्री नम्बर:

1800-180-2021



उद्यान विभाग हरियाणा

उद्यान विभाग, सैक्टर -21, पंचकुला -134112



दक्षिण हरियाणा के बाजरा बाहुल्य जिलों में फसल विविधीकरण को बढ़ावा



दलहन व तिलहन की फसलों को बढ़ावा देने हेतु नई योजना शुरू

- किसानों को दी जाएगी **₹4,000/एकड़ वित्तीय सहायता**
- किसानों के खातों में **सीधे ट्रांसफर** की जाएगी राशि
- "मेरी फसल-मेरा ब्यौरा" पोर्टल पर करना होगा पंजीकरण

दलहन फसल- मूँग, अरहर व उड़द

तिलहन फसल- अरण्ड, मूँगफली व तिल



हरियाणा सब्जियों की खेती के लिए विशेष अनुदान योजना

- सब्जी की खेती को बांस / लोहे एंगल की स्टेकिंग / प्लास्टिक मल्लिंग / प्लास्टिक टनल / सूक्ष्म सिंचाई के साथ करने वाले किसान होंगे लाभ के पात्र
- सामान्य वर्ग के लिए 5 एकड़, अनुसूचित जाति व शिवालिक क्षेत्र के लिए एक एकड़ तक अनुदान
- आवेदन हेतु <https://hortnet.gov.in/> पोर्टल पर जाएं
- अनुदान 'पहले आओ - पहले पाओ' के आधार पर
- 'मेरी फसल, मेरा व्योरा' पर पंजीकरण अनिवार्य
- सूक्ष्म सिंचाई/ड्रिप सिंचाई प्रणाली के लाभ हेतु <http://micada.haryana.gov.in> पर आवेदन करें



अधिक जानकारी के लिए

क्यूआर कोड स्कैन करें



अथवा

जिला उद्यान अधिकारी
से सम्पर्क करें

अथवा

कॉल करें (टोल फ्री नं.)
1800-180-2021



योजना के क्रियान्वयन के
सबसे
अहम स्तंभ है

भूजल और वर्षा संबंधी
डाटा इकट्ठा करना

WSP तैयार करने के लिए
आवश्यक जानकारी प्रदान
करना

ग्राम सभा आयोजित करना

जल बजट और जल सुरक्षा
योजना बनाने में सहायता
करना

स्कीम कन्वर्जन के लिए
लाइन डिपार्टमेंट के साथ
में समन्वय करना

ग्राम पंचायत की भूमिका

मांग आपूर्ति पक्ष में
क्या कार्य करने की
आवश्यकता है, इसका
पंजीकरण करना

फव्वारा और टपका
सिंचाई के लिए
भागीदारी

WSP के निर्माण में
भाग लेना

चल रही सरकारी
योजनाओं का लाभ
उठाना

**किसानों
की भूमिका**

महिलाओं की भूमिका

WSP के निर्माण में भाग लेना

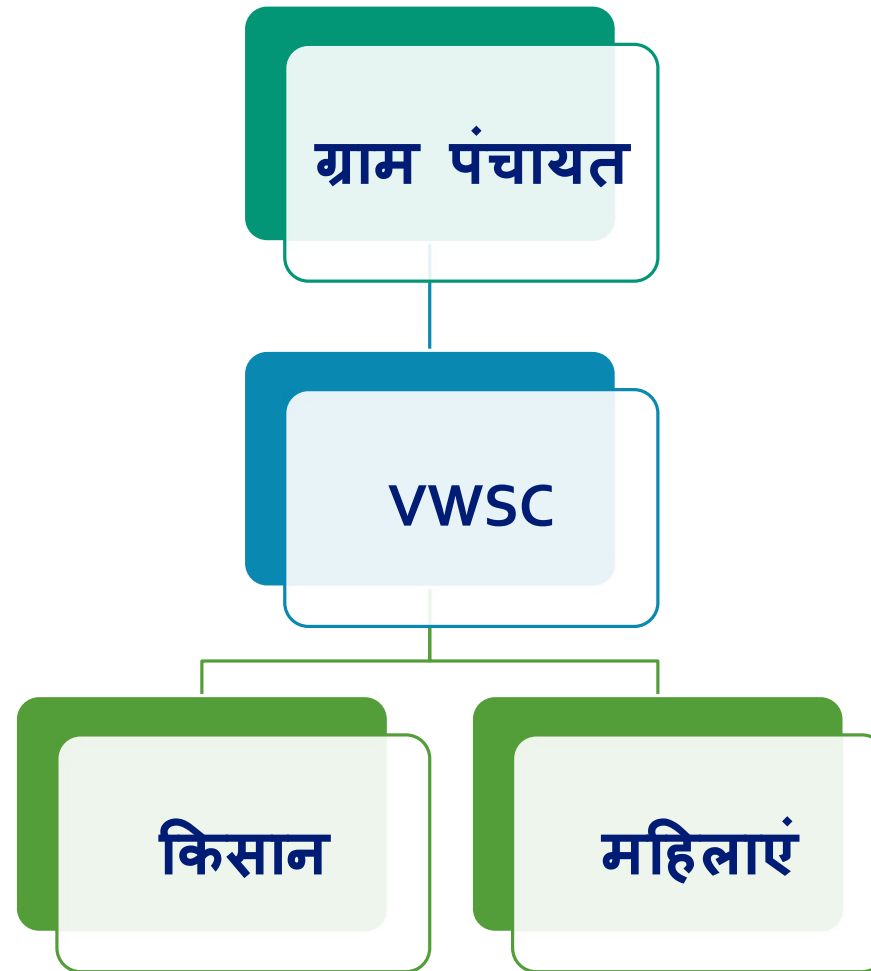
मांग आपूर्ति पक्ष में क्या कार्य करने की आवश्यकता है, इसका पंजीकरण करना

चल रही सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना

WSP के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार करना

- VWSC, ग्राम पंचायत, महिला और किसान इनके ग्रुप तैयार करना
- WSP में किये जाने वाले कार्यों को इन समूहों में आवंटित करना
- दी गई जिम्मेदारी के अनुसार ये समूह चार्ट पेपर पर योजना बनाएंगे कि डब्ल्यूएसपी में किए जाने वाले कार्य कब पूरे होंगे
- प्रत्येक समूह तैयार की गई योजना को गांव के सामने प्रस्तुत करेगा

ग्राम स्तर पर योजना के कार्यान्वयन के लिए एक निगरानी प्रणाली



प्रशिक्षण के आपेक्षित परिणाम

WSP कैसे बनाया जाता है वह लोगों को समझ में आएगा

लोगों को पता चलेगा कि उनके गांव के WSP में क्या काम होना है

WSP को लागू करने में जनभागीदारी बढ़ेगी

WSP के अनुसार कार्य करने के लिए सरकारी योजनाओं के अनुकूलन को प्रोत्साहित किया जाएगा

गाँव में WSP के अनुरूप जल संरक्षण एवं प्रबंधन के कार्य कराये जायेंगे

धन्यवाद....



युवा मित्र

Yuva Mitra

Shaping Sustainable Development..